

असौ बाद भारतीय राज्या अनुसंधान संस्थान का परिषद दो दिवसीय 'शुगर फेस्ट' में बटला-बटला सा जगर आया

खेल-खेल में राज्या उत्पादन की तकनीक सीखी

शुगर फेस्ट

- लंबे असौ बाद आईएएसआर में रिज गजान का माहौल
- बला, महिलाओं और किसानों के लिए सुई प्रतियोगिताएं

लखनऊ | शिवा संवाददाता



शुगर फेस्ट से इतर बला ने आरिजा गार्ड मरती का आनंद लिया और शैलगाड़ी की सवारी का तुरु भी उठाया। • हिन्दुस्तान

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के परिषद का माहौल लंबे असौ के बाद बदला हुआ था। सामान्य तौर पर परिषद में केवल पर्याप्त, रिसर्च की बात होती है लेकिन अजगर परिषद में कहीं बचने खेल रहे थे जो कहीं बैलगाड़ी की सवारी में मस्त थे। महिलाएं और लड़कियां गुड़ और गन्ने के रस से नए पकवान बनाने की कला दिखा रही थीं। मौका था संस्थान में आयोजित दो दिवसीय शुगर फेस्ट का। उद्घाटन रौनी एवं गन्ना विपदास आयुक्ता काभारन रिजगी ने किया।

काभारन रिजगी ने कहा कि प्रदेश गन्ना उत्पादन के मामले में देश में दूसरे स्थान पर है। इसे संस्थान के माहौल से पहले नंबर पर लाना है। किसानों की सबसे बड़ी परेशानी गन्ना बीज को लेनेक

उनके अधिकार के बारे में जानकारी थी। डॉ एच शाह, डॉ अनीला सायनानी, डॉ पीके सिंह ने किसानों को अधिक पैदावार लेने की तकनीक बताई। काम की हुई शरीरगत सुकून की कच्चापत्ती ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। इस दौरान काफ़ी संख्या में आप् बलों ने गन्ने के संवाध में रोचक आनंदकारीयों प्राप्त कीं।

उनके अधिकार के बारे में जानकारी थी। डॉ एच शाह, डॉ अनीला सायनानी, डॉ पीके सिंह ने किसानों को अधिक पैदावार लेने की तकनीक बताई। काम की हुई शरीरगत सुकून की कच्चापत्ती ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। इस दौरान काफ़ी संख्या में आप् बलों ने गन्ने के संवाध में रोचक आनंदकारीयों प्राप्त कीं।

प्राथमिकताओं में चौधे जल्द पर पहुंची खेती

सोमिनार

- निरि विकास अध्यापन संस्थान में छोटे किसानों की समस्या पर सोमिनार
- राष्ट्रीय आय में कृषि का हिस्सा बढ़कर 13-14 प्रतिशत हो रूठ गया

लखनऊ। राष्ट्रीय आय में कृषि का हिस्सा अब मात्र 13 से 14 प्रतिशत हो रूठ गया है। जबकि इस पर 60 प्रतिशत आबादी निर्भर है। ऐसे में सर्वोच्च प्राथमिकता कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधार किए जाने की होनी चाहिए। यह विचार लखनऊ विद्यापीठपालय में अध्यापन संस्थान के प्राक्स नुर्जमिनल ने व्यक्त किए। यह सुकचार को अलौन में स्थित निरि विकास अध्यापन संस्थान में छोटे किसानों की समस्या विषय पर सोमिनार में लोगों को संबोधित कर रहे थे।

प्रो. नुर्जमिनल ने कहा कि 1991 में हुए उद्योगीकरण के बाद से लगातार कृषि क्षेत्र को उपेक्षा हो रही है। अब कृषि क्षेत्र देश की प्राथमिकता में चौधे नंबर पर पहुंच गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन उर्दू

शुगर फेस्ट में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता

शुद्ध शैलगाड़ी कपटीशन- महिला बल
 प्रथम प्रथम पांडेय, द्वितीय स्वाती सिंह, तृतीय रजना इरफान, अजा दा - प्रथम
 जूकिया शीतलदा, द्वितीय रमेश शीतलदा, तृतीय ममता शिवारी

शिवरे- गुण ए प्रथम शीतला नेमी, द्वितीय सुव नदा, तृतीय स्वाती सिंह, गुण बी- अरुणदा एटल, द्वितीय शिवान केसराणी और तृतीय मनसोमिता सिंह



राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में किसानों को सम्मानित करते हैं। सुरील सोलेमन

कैनविज टाइम्स

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का शुभारम्भ

देश को प्रथम स्थान पर लाने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता

कैनविज टाइम्स स्पेशल

लखनऊ। साल 2012 संस्करण के लिए उत्कृष्ट वर्ष के रूप में मनवाया जाएगा। इसके लिए हम सभी लोगों को भेदभाव से ऊपर उठकर सिर्फ योग्यता एवं दक्षता पर आधारित कार्यक्रम एवं प्रयास को प्राथमिकता देनी पड़ेगी। शर्करा को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के शुभारम्भ के अवसर पर निदेशक डॉ. सुरील सोलेमन ने यह बात कही।

इससे पहले उत्तर प्रदेश के चीनी एवं गन्ना विकास आयुक्त कामरुन रिजवी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कामरुन रिजवी ने उद्घाटन भाषण में उत्तर प्रदेश को चीनी उत्पादन में देश को विश्व में चीनी उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त करने में राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव को एक महत्वपूर्ण आयोजन बताया तथा इसके लिए संस्थान के निदेशक तथा वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गन्ना बीज उत्पादन के लिए संस्थान को सक्षम मिलकर काम करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर संयुक्त गन्ना आयुक्त राजेश पांडेय,

अगले दो दिनों तक चलेगा शर्करा महोत्सव, वैज्ञानिकों और किसानों को किटा गटा सम्मानित

महोत्सव में सतरंगी कार्यक्रमों का आयोजन अगले दो दिनों तक किटा जाएगा

रजिस्ट्रार तेजवीर सिंह, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थाओं के निदेशक, राज्य सरकार के अधिकारी, विभिन्न चीनी मिलों के प्रतिनिधि, विभागों के विभागाध्यक्ष, संस्थान के सोपानिकृत और कार्यरत वैज्ञानिक उपस्थित रहे। इसके अलावा किसान, छात्र-छात्राएं सहित अन्य लोगों ने भी मेला समारोह में भाग लिया।

प्रदेश के प्रगतिशील, किसान छात्र एवं छात्राएं, शिक्षक व मेला में भाग ले रहे शहरी व ग्रामीण जन समारोह में उपस्थित थे। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके सहा ने बताया कि महोत्सव में सतरंगी कार्यक्रमों का आयोजन अगले दो दिनों तक किया जाएगा। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.

एके सहा ने जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव में सतरंगी कार्यक्रमों का आयोजन अगले दो दिनों तक किया जाएगा।

इस मौके पर गन्ना खेती में उत्कृष्ट योगदान के लिए बिहार एवं उत्तर प्रदेश के 5 किसानों (प्रदीप सिंह चौहान, शैलेन्द्र वर्मा, राजेश, शैलेश एवं विरेन्द्र बहादुर सिंह) को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। चीनी उद्योग के प्रतिनिधि डॉ. अर्जुन सांखला, एस फिल्टर्स, एवं सुरील राधाकृष्णन को भी चीनी विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित किसानों ने, संस्थान द्वारा किर्तिसित गन्ना प्रजाति कोलका 944184 को गन्ना उत्पन्न तथा चीनी परत को दृष्टि से उत्तम बताया तथा संस्थान के अन्य तकनीकों जैसे पताई प्रबंधन जल बचाव करने वाले सिंचाई विधियों को किसानों का आप बचाने के लिए धरान बताया। तकनीकी अधिकारी अनीता सावानी, डॉ. पीके सिंह, आयोजन सचिव, शर्करा महोत्सव ने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया।

नेशनल शुगर फेस्ट का भव्य आगाज

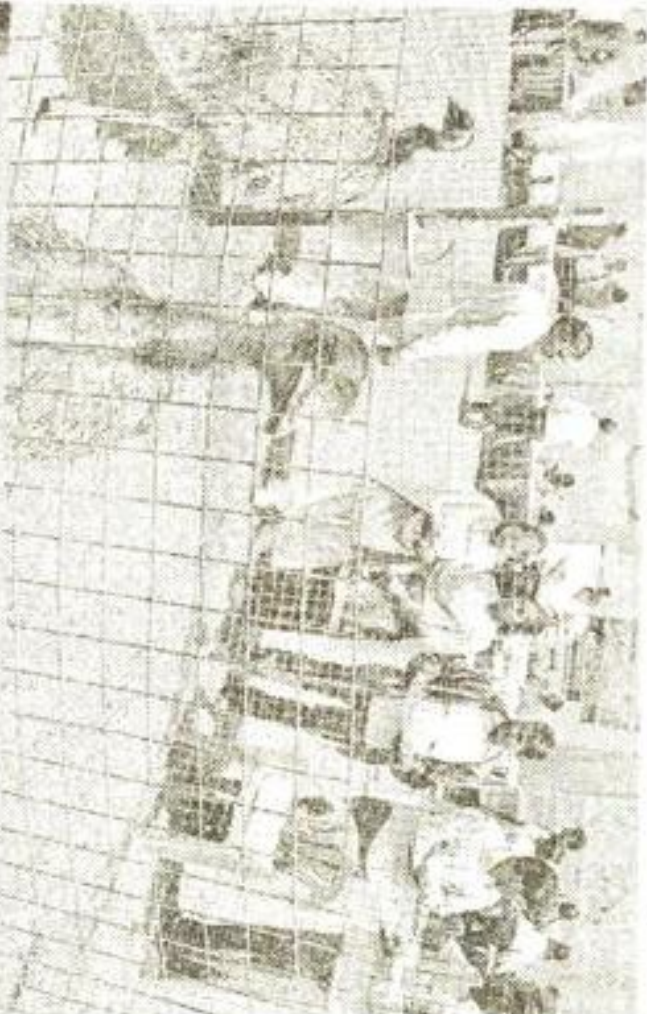
उत्कृष्ट गान्ना उत्पादक किसान और चीनी उद्योग से जुड़े उद्यमी हुए सम्मानित

● अगर उजाला ब्युरो

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ परिसर में शुक्रवार को दो दिवसीय नेशनल शुगर फेस्ट का भव्य आगाज हुआ। फेस्ट का उद्घाटन सूबे के गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त कामरान रिजवी ने किया। इस मौके पर आयुक्त रिजवी ने कहा कि यूपी चीनी उत्पादन में विश्व में दूसरे नम्बर पर है। रिजवी ने फेस्ट को गन्ना उत्पादक किसानों और चीनी उद्योग से जुड़े उद्यमियों के लिए काफ़ी महत्वपूर्ण बताया।

संयुक्त गन्ना आयुक्त राजश पांडेय ने बताया कि यूपी देश में 50 फीसदी से ज्यादा गन्ना उत्पादन करने वाला अकेला राज्य है। ऐसे में संस्थान से जुड़े वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे गन्ना की खेती को बढ़ावा देने

● गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त ने किया फेस्ट का उद्घाटन



गन्ना अनुसंधान संस्थान में शुक्रवार से शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय अकेला महोत्सव में लगे केले ने एयू पांडेय की जालकाशी तैरे लोग।

को जगलक किया जाना चाहिए। दो दिवसीय फेस्ट में गन्ने की उत्कृष्ट खेती करने वाले पांच किसानों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले किसानों प्रदीप सिंह चौहान, शैलेन्द्र वर्मा, राजेश, शैलेश कुमार एवं वीरेन्द्र कुमार सिंह शामिल हैं। इस मौके पर चीनी उद्योग से जुड़े डॉ अर्जुन सांखला, एस पिल्लई एवं डॉ सुनील राधाकृष्णन को चीनी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए संस्था के निदेशक डॉ. सुरशील रोलोमन ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। गन्ना अनुसंधान संस्थान के चरिष्ठ वैज्ञानिक ए के साह ने बताया कि फेस्ट किसानों को गन्ने की खेती से संबंधित जानकारी देने के लिए कृषि उत्पाद एवं मशीन निर्माताओं को और से करीब 40 स्टॉल लगाए गए हैं।

के लिए किसानों को ज्यादा से ज्यादा नवीनत जानकारी मुहैया कराने का लक्ष्य है। गन्ने की बुवाई से लेकर कटाई तक ताकि पैदावार को बढ़ाया जा सके। नवीन विधियों के प्रयोगों से किसानों

National Sugar Fest inaugurated at IISR

Lucknow (PNS): National Sugar Fest was inaugurated at Indian Institute of Sugarcane Research on Friday. Cane Commissioner, Uttar Pradesh, inaugurated the function in the presence of research personnel, sugar industry people, farmers, consumers and students. The inaugural function was chaired by director S Solomon. Additional Cane Commissioner Rajesh Pandey was also present on the occasion. The institute also started a training programme on Plant Protection of Varieties and Farmer's Right Association (PPV&FRA) activities.

Addressing the gathering, Solomon said latest technologies should be used. He called for collaborative efforts between the institute and Cane department for production and multiplication of cane seeds of improved varieties. He also informed the delegates about the institute's activities and technologies. Those from sugar industry and farmers also highlighted the importance of such functions for sugar industry improvement. Innovators from sugar industry and innovative cane growers, Pradeep Singh Chauhan, Rajesh Singh, Shaledra Verma, Shalesh Singh and Birendra Bahadur from UP and Bihar, were honoured for their contribution to adoption of latest sugarcane production technologies and overall development and improvement of the industry and sugarcane. Personnel from about 40 sugar industries, research institute, state development agencies and agriculture equipment manufacturer are participating in the sugar fest. They have put up their stalls for demonstrating technologies and activities.

Several competitions such as drawing, dance, fancy dress and innovative food products for children, students and ladies are being organised.

THE TIMES OF INDIA, LUCKNOW
SATURDAY, MARCH 24, 2012

Continued on page 2

National Sugar Fest: National Sugar Fest-2012 was inaugurated at Indian Institute of Sugarcane Research, Lucknow by cane commissioner Kamran Rizvi in presence of research personnel, sugar industry people, farmers, consumers on Friday. On this occasion, the institute has also started a training programme on plant protection of varieties.



इंफ़िल्ट्राबी

नज़र

5

एप्रैल 2012

शानिवार 24 मार्च 2012

जर्नीन वलधलरुओ से कलसुनल नलनलरुक हल

एप्रैल 2012, 23 नलरुव (वुलुओ)।

नलनल के नुरलतलशुनल युन नुने कुुवलई से लुकर कलरुई तक नवलन वलधलरुओ के नुरलन क लेल कलसुनलओ कुु नलनलरुक कलरुव नलनल वलनल हल। नलनल सेलुनल के अधलकरलरुओ, तकनलुक सलललहकरुओ, वैनलनलकुओ कुु नुने के नुरल कलसुनलओ के वलव नलकर उनुह नलनल खलुतल के वलकलस के नुरलतल नलनलरुकलतल नुदल करुने से नुरलदेश कल कलसुनल नलनल वलह सलकलतल हल।

नलह वलतल नलनल वलकलस एव वलनलओ नलरुवुकुत कलनलनल रलनलवलु। नुने नलनल वलहलं नलरुतलतु नलनल नलनलसंनलनल संरुथलन नुने दलु दलवलसुतलतु रलरुषुतुलतु शरुकलरुल नलहललसव कल उदुधलतन करुते हल। उनुहलने कलहल कल वलनलओ उनुधलतन नुने उतुतर नुरलदेश वलशुव नुने दुरुसे रलशुनल नुरल हल नलवलकल नलनलओ उनुधलतन के नलनलले नुने देश कलओ नलनलओ उतुतर नुरलदेश नुने हलु हलतल हल। रलरुषुतुलतु शरुकलरुल नलहललसव के नलरुओनल कुुओ नलरुतुतल नलहललसव नुरल वलतलते हल। कलहल कल नुरलदेश के वैनलनलनलकुओ

दुवलरुल नलनल कलसुनलओ कुुओ नलनल कुुओ खलुतल कुुओ तकनलुक नलनलकरुलरु देकर सरलहनुतुतु कलरुव कलरुव नल नलरुल हल। उनुहलने नलहललसव संथलल नुरल वलधलनल वलनलनलओ दुवलरुल लनलरुओ नलरुओ सुतलरुओ कलओ नलवललुकन कलरुव तलशु

● नलनलओ नलरुवुकुत नुने रलरुषुतुलतु शरुकलरुल

नलहललसव कल कलरुव उदुधलतन

● नलनल कलसुनलओ कुुओ सलनलनलत कलरुव नलरुल

कलसुनलओ दुवलरुल नलवलन तकनलुक से नुदल कुुओ नलनल वललुओ नलसलरुओ के वलधलनल नुने नलनलकरुलओ नुरलनल करुते हल। इस नलरुओनल कुुओ एक नलहललसव नुरल नुरलस वलतलरुल। उनुहलने नलरुव-नलरुव तकनलुक के कुरुधलनलओ के संवंध नुने नल नलहलनलतल से नलनलकरुलओ नुरलनल करुते हल। वलकलस के दलरुओ नुने इस वलधलरुओ कलओ उनलनल करुने के लेल कलसुनलओ कुुओ सलललह नलु दलु। इससे नलहलल शुरु रलनलवल कुुओ सुवलनलत नलनलओ संरुथलन के नलरुदेशक डल. सुशुओल

सुओलुनल नुने कलरुव नलरुओ उनुहलं नुरलतुलक वलनलरुओ नलरुओ नुदल कलरुव। दलुनलओ नुने नुरल सुतलरुओ कलओ नलनलनल करुओ नलवललुकनल नलु कलरुव। नलनलओ संरुथलन के इस दलु दलवलसुतुतु कलरुवकुरलन नुने वलनलओ उदुधलनल, शुओध संरुथलनलओ, रलशुव के वलकलस वलनलनलओ तलशु कुरुधल उनुधलतल एव नलरुओ नलनलनल नलरुतलनलओ के लनलनल 40 संरुथलनलओ के नुरलतलनलधलरुओ नुने नलनल ललरुव। नलहललसव नुने तकनलुक-उनुधलतनलओ के नुरलदेशन के लेल सुतलल नलु लनलरुओ नलरुओ हल। नलहललसव नुने वलहलरु, उतुतर नुरलदेश सलललत कलरुओ नलरुओ के कलसुनलओ नुने नलनल ललरुव तलशुओ नलनलओ-नलनलओ वलवलरुओ कुुओ नलु रलखल। नलनलओ खलुतल नुने उनुकरुवतु नुनलनलनल दलरुओ नलनलओ वलनलओ नलनलओ नुरलदुलरुओ सलललह वलुओनल, शलुलतुदुर वलनल, रलओश, शलुललश कुुनलरु एव वलरुओदुर कुुनलरुओ सलललह, वलनलओ उदुधलनल के नुरलतलनलधल डल. नलरुओनल शलुखलल, एस नलललरुई एव डल. सुनुलल रलशुकुलनल कुुओ वलनलओ वलकलस नुने नलहललसव नुरल नुनलनलनल देने के लेल संरुथलनल के नलरुदेशक दुवलरुल नुरलसलतल नलरु एव नुरलतुलक वलनलरु देकर सलनलनलतल नलु कलरुव नलरुओ।

गन्ना किसानों को नवीन तकनीकों से उत्पादन बढ़ाने की सलाह

लखनऊ, शुक्रवार (आज समाचार सेवा)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ परिसर में दो दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का उद्घाटन गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त कामरान रिजवी ने किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि गन्ना विकास आयुक्त श्री रिजवी का स्वागत गन्ना संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन ने किया और उन्हें प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर श्री रिजवी ने कहा कि उत्तर प्रदेश चीनी उत्पादन में विश्व में दूसरे स्थान पर है जबकि गन्ना उत्पादन के मामले में भारत वर्ष का ५० प्रतिशत गन्ना उत्तर प्रदेश में पैदा कियसा जा रहा है। श्री रिजवी ने कहा कि आज के प्रगतिशील युग में गन्ने की बुवाई से लेकर कटाई

तक नवीन विधियों का प्रयोग के लिये किसानों को जागरूक किया जाना चाहिये। प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त ने महोत्सव स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन किया तथा किसानों द्वारा नवीन तकनीक से पैदा की जाने वाली फसलों के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुये इस आयोजन को एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया। उन्होंने नई-नई तकनीक के कृषियंत्रों के संबंध में भी ग्रहनता से जानकारी प्राप्त करते हुये विकास के दौर में इन विधियों का उपयोग करने के लिये किसानों को सलाह भी दी। गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त के साथ संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन ने पूरे स्टालों का भ्रमण कर अवलोकन किया। गन्ना संस्थान के इस दो

दिवसीय कार्यक्रम में चीनी उद्योग, शोध संस्थाओं, राज्य के विकास विभागों तथा कृषि उत्पाद एवं मशीन निर्माताओं के लगभग ४० संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। चीनी उद्योग के प्रतिनिधि डा. अर्जुन शंखला, एस पिल्लई एवं डा. सुनील राधाकृष्णन का चीनी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिये संस्थान के निदेशक द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव शुरु

युनाइटेड समाचार सेवा

लखनऊ, २३ मार्च। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ परिसर में आज राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का शुभारम्भ हुआ। आदरणीय मुख्य अतिथि महोदय ,कामरान रिजवी ,चीनी एवं गन्ना विकास आयुक्त उ.प्र. उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि थे। संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन समारोह के अध्यक्ष थे। राजेश पाण्डेय संयुक्त गन्ना आयुक्त भी उपस्थित थे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थाओं के निदेशक राज्य सरकार के अधिकारी विभिन्न चीनी मिलों के प्रतिनिधि विभागों के विभागाध्यक्ष अनुभाग प्रभारी संस्थान के सेवानिवृत्ता तथा कार्यरत वैज्ञानिक एवं कर्मचारीगण प्रदेश के प्रगातिशील किसान छात्र एवं छात्राएं शिक्षक व मेला में भाग ले रहे शहरी व ग्रामीण जन समारोह में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि कामरान रिजवी ने उदघाटन भाषण में उत्तर प्रदेश को चीनी उत्पादन में देश में प्रथम तथा देश को विश्व में चीनी उत्पादन में प्रथम

स्थान प्राप्त करने में राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव को एक महत्वपूर्ण आयोजन बताया तथा इसके लिए उन्होंने संस्थान के निदेशक तथा वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया इस मौके पर उन्होंने गन्ना बीज उत्पादन के लिए संस्थान के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। संस्थान के निदेशक डा. सोलोमन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में वर्ष २०१२ को संस्थान के लिए उत्कृष्ट वर्ष बनाने के संकल्प को दोहराया। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. ए.के. साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि इस महोत्सव में सतरंगी कार्यक्रमों का आयोजन अगले दो दिनों तक किया जाएगा। इस मौके पर गन्ना खेती में उत्कृष्ट योगदान के लिए बिहार एवं उत्तर प्रदेश के ५ किसानों प्रदीप सिंह चौहान शैलेन्द्र वर्मा, राजेश शैलेश एवं विरेन्द्र बहादुर सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। चीनी उद्योग के प्रतिनिधि डा. अर्जुन सांखला एस. पिल्लई एवं सुनील राधाकृष्णा को भी चीनी विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया।



पायनियर

शनिवार, 24 मार्च, 2012

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का शुभारम्भ

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ परिसर में शुक्रवार को राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का शुभारम्भ हुआ। महोत्सव के मुख्य अतिथि प्रदेश के चीनी एवं गन्ना विकास आयुक्त कामरान रिजवी व अध्यक्षता संस्था के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में श्री रिजवी ने राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। संस्थान के निदेशक डॉ. सोलोमन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में वर्ष 2012 को संस्थान के लिये उत्कृष्ट वर्ष बनाने के संकल्प को दोहराया। निदेशक ने आह्वान किया कि उत्कृष्ट वर्ष बनाने के लिये सभी लोगों को भेदभाव से ऊपर उठकर सिर्फ योग्यता एवं दक्षता पर आधारित कार्यक्रम एवं प्रयास को प्राथमिकता देनी पड़ेगी। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके साह ने बताया कि इस महोत्सव में सतरंगी कार्यक्रमों का आयोजन अगले दो दिनों तक किया जायेगा। गन्ना खेती में उत्कृष्ट योगदान के लिये बिहार एवं यूपी के 5 किसानों को सम्मानित किया गया।

रि
फ
ट

गन्ना किसानों को नवीन तकनीकों के उपयोग से उत्पादन बढ़ाने की सलाह

लखनऊ (सं.)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान परिसर में दो दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का उद्घाटन गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त कामरान रिजवी ने किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि गन्ना विकास आयुक्त श्री रिजवी का स्वागत गन्ना संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन ने किया और उन्हें प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर श्री रिजवी ने कहा कि उत्तर प्रदेश चीनी उत्पादन में विश्व में दूसरे स्थान पर है जबकि गन्ना उत्पादन के मामले में भारत वर्ष का 50 प्रतिशत गन्ना उत्तर प्रदेश में पैदा किया जा रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के

आयोजन को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताते हुये कहा कि प्रदेश के वैज्ञानिकों द्वारा गन्ना किसानों को गन्ने की खेती की तकनीकी जानकारी देकर सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

श्री रिजवी ने कहा कि गन्ना संस्थान के अधिकारियों, तकनीकी

किसानों को जागरूक किया जाना चाहिए।

प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त ने महोत्सव स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन किया तथा किसानों द्वारा नवीन तकनीक से पैदा की जाने वाली

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का शुभारम्भ

सलाहकारों, वैज्ञानिकों को मीके पर किसानों के बीच जाकर उन्हें गन्ना खेती के विकास के प्रति जागरूकता पैदा करने से प्रदेश का किसान आगे बढ़ सकता है। आज के प्रगतिशील युग में गन्ने की बुवाई से लेकर कटाई तक नवीन विधियों का प्रयोग के लिये

फसलों के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुये इस आयोजन को एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

गन्ना संस्थान के इस दो दिवसीय कार्यक्रम में चीनी उद्योग, शोध संस्थाओं, राज्य के विकास विभागों तथा कृषि उत्पाद एवं मशीनों

निर्माताओं के लगभग 40 संस्थाओं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। महोत्सव में तकनीकी / उत्पादों के प्रदर्शन हेतु स्टाल भी लगाये हैं। आयोजित किये गये कार्यक्रम में बिहार, उत्तर प्रदेश सहित कई जनपदों के किसानों ने भाग लिया तथा अपने-अपने विचारों को भी रखा। गन्ना खेती में उत्कृष्ट योगदान दिये जाने वाले 5 किसानों प्रदीप सिंह चौहान, शैलेन्द्र वर्मा, राजेश शैलेश कुमार एवं वीरेन्द्र कुमार सिंह, चीनी उद्योग के प्रतिनिधि डा. अर्जुन शंखला, एस. पिल्लई एवं सुनील राधाकृष्णन को चीनी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिये संस्थान के निदेशक द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।



गन्ना अनुसंधान संस्थान में शर्करा महोत्सव में प्रदर्शनी का अवलोकन करते निदेशक डा. सुशील सोलोमन व गन्ना आयुक्त कामरान रिजवी